to (c). Coal from the Singrauli Coalfields is supplied to the Renusagar Power House at Renusagar of Birlas through an aerial ropeway and the quantity is weighted by the Belt Weighing Machine at the Renusagar end In case of break-down of the machine at Renusagar, the quantity of coal supplied is assessed by the total number of buckets supplied. To ensure a double check a weighing machine at the loading end is also being installed.

उत्तर बिहार में उद्योग

1356. **श्री विभूति मिश्र** क्या **उद्योग और नागरित पूर्ति** मंत्री उत्तर बिहार में विकास के बारे में 8 मई 1974 के अनाराकित प्रश्न सख्या 9564 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने का कृपा करेंगे कि

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने उत्तर बिहार में कोई उद्योग स्थापित करने की इस बीच कोई कोशिश की हैं , और

(ख) क्या सरकार का विचार उत्तर बिहार के प्रत्येक जिले में उपयक्त उद्योग स्थापित करने का है ?

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० पी० मौय) : (क) और (ख) केन्द्र सरकार द्वारा उत्तर बिहार में उद्योगो की स्थापना करने के लिए प्रोत्साहन देने हेतु निम्नलिखित उपाय किए गए है .—

पाच जिले यथा , चम्पारन दरभगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया तथा सहरसा औद्योगिक दृष्टि स पिछड़े माने गए है तथा वहा स्थित औद्योगिक परि योजनाओं के लिए राष्ट्रीय वित्त निगमों से रियायती वित्त पाने तथा आयकर में राहत पाने के पात्र समझे गए है ।

तीन जिलों, यथा चम्पारन, दरभगा तथा सहरसा का चयन पिछड़े हुए जिलो के रूप में किया गया है जो 1974–75 में अचल निवेश पर सीधी केन्द्रीय राज सहायता मंजूर की जाने तथा वर्ष 1974–75 में लघु उद्योगों के लिए विशेष आयात की सुविधाए दिए जाने के लिए अर्ह समझे गए हैं। इन पिछडे जिलो के लिए 1067257 रु० की कुल सहायता राशि मजूर और वितरित की गई है ।

मुजफ्फरपुर नगर स्थित विस्तार केन्द्र के साथ साथ लघु उद्योग सेवा सस्थान, पटना लघु उद्योगों के विकास का बढ़ावा देने के लिए वृहत परामर्शदायी तथा अन्य विस्तार सेवाये उपलब्ध कराता है । इन सेवाओं में औद्योगिक क्षमता सर्वेक्षण, सघन प्रभियान, सगोष्ठिया, एन० एस० आई० सा० में खरीदने के लिए मशीनों की सख्या को सिफारिश करने, बैंकों आदि से वित्तीय सहायता लेने में सहायता करना सम्मिलित है ।

लघु उद्योग सेवा सस्थान, पटना, द्वारा सहरसा, मारन, दरभगा मुजफ्फरपुर, चम्पारन और पूर्णिया का तकनीकी आर्थिक सर्वेक्षण किया गया था , इसके अलावा पता चला है कि प्रमुख बैंको ने सभी जिलों की सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रकाशित की है ।

लघु उद्योग सेवा संस्थान द्वारा सहरसा में एक गहन औद्योगिक विकास कार्यक्रम बनाया गया है ।

केन्द्र द्वारा प्रचारित ग्रामीण उद्योग परियोजना कार्यक्रम के अन्तगत राज्य सरकार को 100% केन्द्रीय सहायता प्रदान की जाती है । पहली बार में बिहार को दी गई पाच

परियोजनाओं में से एक परियोजना दरभंगा में उत्तरी बिहार में स्थित है। मार्च, 1973 तक दरभंगा परियोजना से 2,302 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली 745 औद्योगिक इकाइयों को सहायता प्रदान की गई। पांचवी योजना के लिए ली गई 5 परियोजनाओं में से पूर्णिया, चम्पारन और मुजफ्फरपुर नामक 3 परियोजनाएं उत्तरी बिहार में है ?

जहां तक पांचवी योजना में किये जाने वाले उपायों का प्रश्न है उत्तरी बिहार में एक नयी शाखा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है। प्रारम्भिक तौर पर पिछड़े क्षेत्रों में अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाओं का विकास करने के लिए एक केन्द्रीय पिछड़ा क्षेत्र औद्योगिक विकास निगम स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इण्डियन ड्रग्स और फार्मेस्युटिकल्स लि० पश्चिम चम्पारन जिले के बेतिया में एक मूल औषधि परियोजना स्थापित करने जा रहा है।

उत्तरी बिहार का औद्योगीकरण करने के लिये राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित अभ्युपायों की मुख्य बातें निम्न प्रकार हैं —

(क) बड़े और मझौले उद्योग

सरकारी क्षेत्र की निम्नलिखित परियोजनाएं उत्तरी बिहार में बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा सरकारी क्षेत्र में निम्नलिखित परियोजनाएं स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है —

सिवान और मधुबनी में कपड़ा मिलें, समस्तीपुर में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड प्राजेक्ट, किशनगंज और फोर्बसगंज में जूट मिल, सहरसा में जूट ट्विन कारखाना, सहरसा में जूट के डंठलों पर आधारित कागज संयंत्र।

इसके अतिरिक्त बिहार राज्य सहकारी विपणन यूनियन का भी पूर्णिया के बनमाखी स्थान पर सहकारी क्षेत्र में एक जूट की मिल लगाने का प्रस्ताव है। धनबाद (चम्पारन) में सहकारी क्षेत्र में एक नया चीनी का मिल स्थापित करने का भी प्रस्ताव है।

(ख) लघु क्षेत्र

लघु अनुषंगी और सहायक उद्योगों का विकास करने के विचार से, पांचवी योजनावधि में उत्तरी बिहार के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण स्थापित करने का प्रस्ताव है। प्राधिकरण को अवस्थापना सुविधाओं का विकास और उद्योगों की स्थापना करने की विशेष जिम्मेदारी का कार्य सौंपा जायेगा।

औद्योगिक बस्तियां

दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मुरलीगंज और रामनगर में पहले से ही औद्योगिक बस्तियां हैं, इनका और विकास किया जायेगा और इनके अतिरिक्त दरभंगा, सहरसा, बरौनी, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, बेटिया, किशनगंज, समस्तीपुर, मोतीहारी, कटिहार, रक्सौल सिवान और भारहोरा में नई औद्योगिक बस्तियां स्थापित की जायेंगी। राज्य सरकार द्वारा स्थापित दो नये निगम नामत "बिहार राज्य चमड़ा उद्योग विकास निगम" और "बिहार राज्य हाथ करघा विद्युत करघा और दस्तकारी विकास निगम" इस क्षेत्र का विकास करने में मुख्य भूमिका निभायेंगे।

राज्य सरकार ने उत्तरी बिहार में उद्योग को पुन चालू करने के लिये सिग्रेट और तम्बाकू बनाने वाली मुख्य कम्पनियों से भी बातचीत शुरू की है। इस कारखाने के लिए सम्भावित स्थान डालसिंग सराय हो सकती है।